S-1109

Total Pages : 4 Roll No. .....

MAJY-201

होराशास्त्र एवं फलादेश विवेचन

MA Jyotish (MAJY)

2nd Year Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. ग्रहों के स्वरूप का विस्तृत वर्णन कीजिए।

2. राशि एवं नक्षत्रों का विस्तृत व्याख्या कीजिए।

अथवा

ग्रहों के उच्च-नीचादि, मूलत्रिकोण स्थानों का भी वर्णन कीजिए।

3. लग्नादि द्वादश भावों के विचारणीय विषयों के साथ-साथ भावों की संज्ञा का भी वर्णन करें।

4. पंचधा मैत्री का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

5. ग्रहों के बल का परिचय देते हुए चेष्टा बल का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

अथवा

षड्वर्ग के गणितीय पक्ष का विस्तारपूर्वक उल्लेख कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. सप्तवर्ग से क्या तात्पर्य है? वर्णन कीजिए।

अथवा

ग्रहों के स्थान बल का साधन करें।

2. दशवर्ग का उल्लेख कीजिए।

3. सोदाहरण भांश साधन कीजिए।

अथवा

ग्रहों की अवस्थाएं कितनी प्रकार की होती हैं, परिचय कीजिए।

4. विंशोपक बल से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

गुरु-शुक्र की विभिन्न अवस्थाओं का फल लिखिए।

5. अरिष्ट किसे कहते हैं?

अथवा

बालारिष्ट का परिचय दीजिए।

6. अरिष्ट विचार में त्रिपताका चक्र का निर्माण करते हुए उल्लेख कीजिए।

अथवा

चन्द्र-गुरु-लग्न कैसे अरिष्ट भंग करते हैं? सोदाहरण लिखिए।

7. मृत्युदायी योगों का वर्णन कीजिए।

8. शनि–भौम जन्य ग्रह के अरिष्ट निवारण हेतु दान वस्तुओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

विष्टि करण में जन्म लेने वाले जातक का फल लिखिए।